Centre for Chronic Disease Control

WHO Collaborating Centre for Surveillance, Capacity building and Translational Research in Cardio-Metabolic Diseases

प्रदूषित बाहरी वायु और बचपन का अस्थमा

बाहरी वायु प्रदूषण - अनेक प्रकार के गैस (जैसे कार्बन मोनोऑक्साइड, नाइट्रोजन तथा सल्फर के ऑक्साइडस, ज़मीनी स्तर के ओज़ोन, वाष्पशील कार्बनिक योगिक इत्यादि) तथा ठोस तत्त्व (PM 2.5 तथा PM 10) जब वायु की प्राकृतिक विशेषताओं को संशोधित कर उन्हें सांस लेने लायक नहीं रहने देते हैं उसे वायु प्रदूषण कहते हैं। बाहरी वायु प्रदूषण मानव स्वास्थ्य पर प्रतिकूल प्रभाव डालता है, जिससे श्वसन संबंधी समस्याएं होती हैं और अस्थमा बढ़ जाता है।

अल्पकालिक प्रभाव

- खाँसना
- घरघराहट
- अस्पताल के दौरे में वृद्धि
- दवाओं/इन्हेलर का अधिक प्रयोग

दीर्घकालिक प्रभाव

- फेफड़ों की वृद्धि में कमी
- असमय मौत (शैशव अवस्था मे मृत्यु)

वायु गुणवत्ता सूचकांक (एक्यूआई)	दमा के बच्चों के लिए सुझाव
1 - 50 (अच्छा)	बाहरी गतिविधियों पर कोई प्रतिबंध नहीं।
51-100 (मध्यम)	बाहरी गतिविधियों को कम करें। अगर वे (दमे वाले बच्चे) घर के अंदर खेलें ।
101-200 (अस्वास्थ्यकर)	घर के अंदर खेलें, बाहर की गतिविधियों की योजना तभी बनाएं जब प्रदूषण का स्तर कम हो ।
201-300 (अत्यधिक हानिकारक)	दवा और इनहेलर हमेशा पास रखें। अपने चिकित्सक के परामर्श मे रहें।

https://bit.ly/Healthcare4Climate | https://www.greenhospitals.net/